केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 214 शुक्रवार 28 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

यूपी सिपाही भर्तीः शारीरिक दक्षता परीक्षा संपन्न

लखनऊ(आभा)। सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) बृहस्पतिवार को संपन्न हो गई। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के बारे में शुक्रवार को विस्तृत जानकारी मुहैया कराएगा। बता दें कि दौड़ परीक्षा में करीब 1.50 लाख अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। अब मार्च माह में परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित होगा। भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने बताया कि पीएसी की सभी 12 वाहिनियों में शारीरिक दक्षता परीक्षा सकुशल संपन्न हो गई है। बोर्ड द्वारा बीती 10 फरवरी से इसका आयोजन किया जा रहा था। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद शारीरिक मानक परीक्षा एवं दस्तावेजों की जांच में भी सफल अभ्यर्थियों को दौड़ परीक्षा के लिए बुलाया गया था।

बता दें कि बोर्ड द्वारा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का मेडिकल टेस्ट और चरित्र प्रमाण पत्र भी लिया जाएगा। मार्च माह में मेरिट के आधार पर परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित किया जाएगा। इसमें महिलाओं को 20 फीसद आरक्षण भी दिया जाएगा।

ग्राम सचिव के खिलाफ आमरण अनशन पर बैठे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत पतिला के बुजुर्ग की पेंशन रोके जाने के विरोध में विकास भवन पर आमरण अनशन पर बैठे भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आरके आरतियन द्वारा आत्मदाह किये जाने की चेतावनी के बाद स्थानीय प्रशासन के हाथ पांव फूल गये। हालांकि जानकारी मिलते ही विकास भवन पुलिस छावनी में तब्दील हो गया और आरतियन आत्मदाह नही कर पाये। वे तीन दिन से आमरण अनशन पर बैठे हैं।

आरतियन का आरोप है की गौर विकास क्षेत्र के पतिला ग्राम पंचायत में ग्राम सचिव ने बुजुर्ग को मृत दिखाकर उसकी पेंशन रोक दिया। अनेकों बार सिफारिश की लेकिन अफसरों ने कोई कार्यवाही नही की। मजबूर होकर आमरण अनशन शुरू करना पड़ा। आरतियन की मांग है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही की जाये और बुजुर्ग की पेंशन बहाल की जाये। इससे पहले बुधवार को अचानक आरतियन की तबियत बिगड़ने पर उन्हे जिला अस्पताल ले जाया गया, उपचार के बाद वे फिर विकास भवन पहुंचे और उसी स्थान पर फिर से आमरण अनशन शुरू कर दिया। अधिकारियों ने कार्यवाही के लिये एक दिन का समय मांगा है। समाचार लिखे जाने तक अनशन जारी था। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हे उठाने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। हैरानी इस बात की है कि दोषी ग्राम पंचायत सचिव पर कार्यवाही करने की बजाय उसे संरक्षण दिया जा रहा है। अनशन को सैकड़ों लोगों का समर्थन प्राप्त है।

फर्जी मस्टररोल बनाकर लूट रहे मनरेगा का धन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में रूधौली तहसील क्षेत्र के बिजलपुर ग्राम पंचायत में फर्जी मस्टररोल तैयार कर मनरेगा का बजट लूटा जा रहा है। बिजलपुर के रहने वाले सोनू चौधरी पुत्र शिवनाथ ने उप जिलाधिकारी रूधौली को शिकायती पत्र देकर अविलम्ब कार्यवाही की मांग किया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि मनरेगा योजना के तहत विजलपुर पिचरोंड से रेणुवा नाला तक खुदाई कार्य में एक भी मजदूर मौके पर कार्य नही कर रहे हैं लेकिन तीन–तीन फर्जी मस्टररोल बनाकर अफसरों को गुमराह किया जा रहा है। सोनू चौधरी ने उक्त मामल की जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही की मांग किया है।

महाकुंभ में तैनात पुलिसकर्मियों को मिलेगी 1 हफ्ते की छुट्टी, मेडल और प्रशस्तिपत्र से किए जाएंगे सम्मानित

प्रयागराज (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ में सेवा देने वाले सभी 75 हजार जवानों को महाकुंभ सेवा मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं 10 हजार रुपए बोनस देने का ऐलान किया है। इन 75000 जवानों में यूपी पुलिस के साथ–साथ केंद्रीय पुलिस बल के जवान भी शामिल हैं, सभी को एक सप्ताह का अवकाश भी मिले है।

हालांकि उन्होंने कहा कि ये छुट्टियां एक साथ नहीं बल्कि फेस वाइज दिया जाएगा। कुंभ खत्म होने के बाद कुछ दिनों तक पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। सीएम योगी ने प्रयागराज में महाकुंभ के लिए तैनात सफाई कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए 10000 रुपये का अतिरिक्त बोनस देने की घोषणा की है। इसके अलावा, स्वास्थ्य कर्मियों को 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा। बोनस की राशि अप्रैल से कर्मचारियों के खातों में जमा की जाएगी। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश भर में सफाई कर्मियों के वेतन में भी बढ़ोतरी की है। अप्रैल से राज्य के सभी सफाई कर्मियों को न्यूनतम 16,000 रुपये मासिक वेतन मिलेगा। पहले उनका वेतन 9,000 रुपये से 11,000 रुपये प्रति माह के बीच था, लेकिन अब सभी के लिए 16,000 रुपये का एक समान वेतन ढांचा लागू किया गया है। यह नया वेतन और बोनस अप्रैल से पूरे राज्य में लागू होगा

महाकुंभ में लगे सफाई कर्मियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए 10,000 रुपये का बोनस मिलेगा। यह नया वेतन और बोनस अप्रैल से पूरे राज्य में लागू होगा, जिससे उत्तर प्रदेश के हजारों सफाई कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने सुनी महिलाओं की समस्यायें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के निर्देश पर राजकीय गेस्ट हाउस सभागार में आयोजित महिला जनसुनवाई दिवस के अवसर पर आयोग की सदस्या श्रीमती ऋतु शाही ने महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित मामलों की सुनवाई की। महिला जनसुनवाई दिवस के अवसर पर आयोग की सदस्या श्रीमती ऋतु शाही द्वारा सुभावती देवी पत्नी वीपत थाना नगर, बिन्दु भारती पत्नी शिव प्रसाद थाना वाल्टरगंज, राधेश्याम पुत्र बाबूराम थाना भानुपर, भुवनेश्वरी देवी पत्नी लाल जी त्रिपाठी थाना सोनहा, गीता मिश्रा पत्नी युगुल किशोर थाना कलवारी, आकांक्षा श्रीवास्तव, अली हसन थाना पैकोलिया, ललिता देवी पत्नी गौरी शंकर दूबे थाना परसरामपुर, सोनी यादव पत्नी कनिक राम यादव थाना पैकोलिया, प्रीती चौधरी पत्नी विवेक चौधरी थाना कोतवाली, वन्दना गोस्वामी पत्नी मंगरू थाना रूधौली, सुदामा देवी पत्नी धनश्याम थाना कलवारी, आशा देवी पत्नी गीतारे थाना कप्तानगंज, परमीला वर्मा पुत्री फूलचन्द्र थाना कप्तानगंज, पूजा जायसवाल पत्नी अमित थाना सोनहा, लक्ष्मी गौड़ थाना लालगंज, सुमन पत्नी महेन्द्र थाना रूधौली, संगीता देवी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद थाना पुरानी बस्ती, दीपिका पत्नी अनिल कुमार, कंचन पत्नी वीरेन्द्र थाना कोतवाली, अंजली चौधरी पत्नी स्व. रमन चौधरी थाना कलवारी, अनीता पत्नी सूर्यलाल थाना छावनी, अफसाना पत्नी अकबर अली थाना परसरामपुर, मोहब्बता पत्नी कतारू यादव थाना लालगंज, गुड़िया पत्नी शिव कुमार थाना परसरामपुर तथा प्रियंका श्रीवास्तव से सम्बन्धित आवेदन पत्रों पर सुनवाई की गयी।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती शाही ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी थानों पर महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई प्राथमिकता पर की जाय ताकि उन्हें त्वरित गति से न्याय मिल सके।

भद्रेश्वरनाथ मेले में खोया पाया शिविर ने बिछुड़ों को मिलाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाशिवरात्रि मेले के मद्देनजर समाचार पत्र वितरक जनकल्याण सेवा समिति बस्ती की ओर से भद्रेश्वरनाथ शिव मंदिर पर लगे खोया पाया शिविर का गृरूवार को समापन हुआ। समापन अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि मेलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में खोया पाया शिविर का खास महत्व है। समाचार पत्र वितरक जनकल्याण सेवा समिति के जिलाध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी का प्रयास सराहनीय है जो कई वर्षो से जारी है। शिविर का डा. वी.के. वर्मा ने फीता काटकर उद्घाटन किया था। उन्होने सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनायें दिया।

समाचार पत्र वितरक जनकल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष जयप्रकाश गोस्वामी ने कहा जनसहयोग से 34 वर्षो से खोया पाया शिविर का संचालन किया जा रहा है। अब तक अनेक ऐसे अवसर आये जब समिति ने सराहनीय व अनुकरणीय कार्य किया। शिवरात्रि मेले में सैकड़ों बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगों को उनके अपनो से मिलाया गया जो भीड़ में बिछुड़ गये थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अनिल दूबे, सिद्धार्थशंकर मिश्रा, ब्रह्मदेव यादव देवा, श्रद्धेय पाल, मनोज यादव, अचितानंद मिश्रा, प्रभात मिश्रा, सूर्यप्रकाश शुक्ला, विश्वनाथ जायसवाल, कमलकिशोर शुक्ला, आरडी प्रेमी, रविशंकर शुक्ला, अरविन्द सिंह, पिण्टू तिवारी, अभिनव उपाध्याय, सीए अजीत चौधरी, मनमोहन श्रीवास्तव, विजय प्रताप गोस्वामी, संतोष पाल, भूपेन्द्र चौधरी, कौशल पाण्डेय, हेमन्त मिश्रा, प्रशांत पाण्डेय, सत्यप्रकाश सिंह, मुक्तेश्वर यादव, आरएन सोनी, बबलू तिवारी आदि का सहयोग रहा।

सामूहिक रुद्राभिषेक में उमड़ी श्रद्धा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक मंगल की भावना से सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट रजि० द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मंगल उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर निकट अमहट कुआंनो नदी के तट पर आयोजित हुआ। जिसमें विशेष रूप से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक पार्थिव शिव पूजन एवं रुद्राभिषेक किया गया।

अयोध्या से आये आचार्य विजय शास्त्री एवं उनके सहयोगी वैदिक ब्राह्मणों ने आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया। ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र ने आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया । मंगल उत्सव में विशेष रूप से अरुण भारती, महेंद्र सिंह, सौरभ कुमार बोस, मनोज यादव, अपूर्व शुक्ल, अनूप मिश्रा, सौरभ मिश्र, महेंद्र तिवारी, राजेश चित्रगुप्त, अविनाश श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समाजवादी शिक्षक सभा ने एमएलसी से मिलकर सौंपा ज्ञापन, मांगों के निस्तारण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी शिक्षक सभा ने विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष लालबिहारी यादव से उनके लखनऊ स्थित आवास पर मिलकर 5 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा, मांग किया कि माध्यमिक शिक्षकों के हित में इन मांगों को सदन के पटल पर उठाया जाये और शिक्षकों के लिये सुविधायें बहाल की जायें। समाजवादी शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी को नेता प्रतिपक्ष ने भरोसा दिलाया कि मांगों को समय से सदन में उठाकर निराकरण कराने का प्रयास किया जायेगा। सौंपे गये मांग पत्र में माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड अधिनियम में सेवा सुरक्षा सम्बन्धी प्रावधान लाने, पुरानी पेंश बहाल किये जाने, मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कार्यरत वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय दिये जाने, शिक्षामित्रों को शिक्ष के पद पर समायोजित किये जाने तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भी चिकित्सा सुविधायें प्रदान करने की मांग उठाई गई है। जिलाध्यक्ष डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा उक्त मामलों में शिक्षक सभा हमेशा से संवेदनशील रही है और समय समय पर सक्षम पटलों पर प्रकरण को उठाती आ रही है। शिक्षकों की उपरोक्त मागें पूरी होने तक हर स्तर के प्रयास जारी रहेंगे।

मण्डलीय समीक्षा बैठक में विकास कार्यो को समय सीमा के अन्दर कराये जाने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुयी। उन्होने फार्मर रजिस्ट्री, डिजिटल क्राप सर्वे, स्वास्थ्य, वैक्सिनेशन, आई.जी.आर.एस., पशुपालन, दशमोत्तर छात्रवृत्ति, बोर्ड परीक्षा, मध्यान्ह भोजन सहित महत्वपूर्ण बिन्दुओं की गहनतापूर्वक समीक्षा किया। डिजिटल क्राप सर्वे में उन्होने पाया कि मण्डल में बस्ती जनपद का स्थान 39वॉ, सिद्धार्थनगर का 26वॉ तथा संतकबीर नगर का 19वॉ है। उक्त के संबंध में संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी ने बताया कि सर्वेयर एवं लेखपाल के माध्यम से प्रत्येक दिन 100 सर्वे के आधार पर कार्य कराया जा रहा है, अगले 15 दिवस में संभावित लक्ष्य के सापेक्ष अधिकतम कार्य की प्रगति हो जायेंगी। उन्होने फार्मर रजिस्ट्री के प्रगति के बारे में बताया

कि निरन्तरतापूर्वक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करायी जा रही है।

मण्डलायुक्त ने ई–आफिस प्रणाली से लिंक कराये जाने हेतु मण्डल के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शीघ्रातीशीघ्र ई–आफिस से अपने कार्यालय को लिंक करायें। उक्त के संबंध में उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी ने बताया कि जिला स्तर पर डीएसटीओ तथा एनआईसी के माध्यम से यह कार्य कराया जा रहा है, शीघ्र ही इस संबंध में एक मीटिंग आयोजित की जायेंगी, जिसमें आ रही समस्याओं के निस्तारण के संबंध में जानकारी एवं तेजी से प्रगति लाये जाने हेतु कार्यवाही किया जायेंगा।

अपर आयुक्त प्रशासन राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि आईजीआरएस के प्रकरणों को अधिकारीगण तत्काल निस्तारित करायें। किसी भी दशा में डिफाल्टर की श्रेणी में ना रहने दें। समयबद्ध निस्तारण ना होने से मण्डल की रैंक प्रभावित होती है। अपर निदेशक पशुपालन डा. राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मण्डल में गोचर भूमि को अवैध कब्जामुक्त कराया जा रहा है, जिससे गोशालाओं में संरक्षित पशुओं के चारे की व्यवस्था करायी जायेंगी। संचालित बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत आयुक्त ने सुरक्षा एवं सतर्कता के संबंध में भी समीक्षा किया। बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने किया। इसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, संतकबीर नगर महेन्द्र सिंह तंवर, सिद्धार्थ नगर राजा गड़पति आर., सीडीओ जयेन्द्र कुमार, जयकेश त्रिपाठी, उप निदेशक दिव्यांग अनूप सिंह, मत्स्य के डा. जी.सी. यादव, सीएमओ बस्ती डा. आर.एस. दुबे, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, उद्यान निरीक्षक भानुप्रताप त्रिपाठी, सुहेल अहमद सहित मण्डल स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संजय गांधी अस्पताल में मरीज की मौत पर हंगामा, परिजनों ने ओपीडी कराई बंद

अमेठी (आभा)। अमेठी स्थित संजय गांधी अस्पताल मुंशीगंज में एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। मरीज की मौत के बाद परिजनों ने डाक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल गेट पर ताला लगाकर अंदर चल रही ओपीडी को भी बंद करा दिया। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर पर चार डाक्टरों के विरुद्ध लापरवाही से इलाज करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं सीएमओ ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। कोतवाली क्षेत्र गौरीगंज के मऊ निवासी 70 वर्षीय शिवराम मिश्र को बुधवार की शाम लगभग साढ़े पांच बजे सीने में दर्द होने पर परिजन लेकर संजय गांधी अस्पताल मुंशीगंज पहुंचे। कई जांच के बाद डाक्टरों ने आपरेशन की बात कही। जिसके बाद डाक्टर शिवराम को लेकर आपरेशन थियेटर में गए। कुछ समय बाद डाक्टरों ने परिजनों को बताया कि मरीज की हालत क्रिटिकल हो गई है। रात लगभग डेढ़ बजे डाक्टरों ने परिजनों को शिवराम मिश्र की मौत हो जाने की सूचना दिया। जिस पर परिजन आक्रोशित हो उठे और इलाज करने वाली टीम में शामिल डा. संजय द्विवेदी पर शराब के नशे में इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा काटना शुरू कर दिया।

मृतक के पुत्र देव प्रकाश ने आरोप लगाया कि उनके पिता की मौत नहीं बल्कि हत्या हुई है। तीमारदारों व चिकित्सकों में हाथापाई की नौबत आ गई। बवाल की सूचना पर मुंशीगंज कोतवाली प्रभारी शिवाकांत त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बीच बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया। वहीं मौत की सूचना पर मृतक के गांव से परिजन, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गौरीगंज उमेश सिंह, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपक सिंह व बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। गुरुवार की सुबह अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परिजनों व ग्रामीणों ने अस्पताल का मुख्य गेट बंद कर ताला लगा दिया। जिसके चलते अस्पताल में ओपीडी बाधित हो गई। जिसका असर इलाज के लिए अस्पताल आए अन्य मरीजों पर पड़ा और लोग बिना इलाज कराए वापस लौटने को मजबूर हुए। सुबह लगभग 11 बजे पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज करने के बाद परिजन शांत हुए। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के पुत्र देव प्रकाश मिश्र की तहरीर पर पुलिस ने संजय गांधी अस्पताल के डा. संजय द्विवेदी, डा. सत्येन्द्र तिवारी, डा. प्रशांत द्विवेदी व डा. अपूर्वा मिश्रा के विरुद्ध लापरवाही से इलाज करने के आरोप में केस दर्ज किया है। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

अस्पताल में बवाल की सूचना पर एसडीएम गौरीगंज दिग्विजय सिंह, एसडीएम अमेठी आशीष सिंह, सीओ अमेठी मनोज कुमार मिश्र व गौरीगंज सीओ अखिलेश वर्मा सहित तीन थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई।

अमेठी सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया, एसीएमओ डा. राम प्रसाद के नेतृत्व में डा. पीके उपाध्याय व डा. अमित यादव की तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है।

युवती का रेप, हत्या मामले में खाली हाथ है पुलिस, दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के रानीपुर बेलाड़ी गांव के मुकेश शर्मा की पत्नी 32 वर्षीय मधुमालती का शव गांव के सिवान में मिला था। वह 22 फरवरी की रात में शौच के लिये घर से बाहर गई थी और दूसरे दिन सुबह खेत में संदिग्ध अवस्था में उसकी लाश पाई गई। मुकेश शर्मा का कहना है कि उनकी पत्नी का रेप कर उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में राष्ट्रीय विछड़ा वर्ग मोर्चा के मंडल महासचिव एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नंदवंशी के साथ गांव के दर्जनों लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जाकर पूरे मामले से अवगत कराते हुये कार्यवाही की मांग किया। इसके बाद जिलाधिकारी कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और तत्काल दोषियों के गिरफ्तारी की मांग की। आपको बता दें तहरीर के आधार पर मुकदमा नहीं दर्ज किया गया बल्कि नगर थानाध्यक्ष के द्वारा पीड़ित परिवार को झूठी पूछताक्ष के लिये बार–बार थाने पर बुला करके उनको मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। इस प्रकार की संवेदनहीनता बर्दाश्त नही की जायेगी। ठाकुर प्रेम नंनदवंशी ने मांग किया है उक्त प्रकरण को संज्ञान

में लेकर प्रशासन मुकदमा पंजीकृत कराये और दोषियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाये। अन्यथा की स्थिति में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिये बड़े पैमाने पर संगठन आन्दोलन के लिए बाध्य होगा। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। जन कल्याण संघर्ष मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम बिहारी ठाकुर ने भी उक्त मामले में मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों के गिरफ्तारी की मांग किया है। उल्लेखनीय है कि मुकेश शर्मा ने पुलिस अधीक्षक को दिये शिकायती पत्र में गांव के ही घनश्याम उर्फ गुल्लू पुत्र विजय सिंह, मिटठू पुत्र गोपाल, भोलू पुत्र रामजीत पर पत्नी का रेप व हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है लेकिन पुलिस मामले का खुलासा नही कर पाई। ज्ञापन सौंपते समय किरण देवी,आलोक ठाकुर, संजय शर्मा, विजय कुमार शर्मा, भैया लाल शर्मा, बबलू शर्मा, बाबा ठाकुर, गीता देवी, लालमणि ठाकुर, रमेश चंद्र शर्मा, चंद्रभान शर्मा, डॉ कैलाश चंद्र शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा, अजीत ठाकुर, विजय प्रकाश ठाकुर, हरिराम ठाकुर, श्याम बिहारी ठाकुर, मनोज कुमार शर्मा, गोपाल कृष्ण ठाकुर, अशोक कुमार शर्मा, मंजू देवी, शिवपूजन ठाकुर, धर्मेंद्र ठाकुर, अनिल शर्मा, रामगोपाल शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, बाबा नगई दास, महेंद्र शर्मा, मदन शर्मा, अतुल शर्मा, करन शर्मा, अमन शर्मा, पंकज शर्मा, रामलाल शर्मा, प्रेम शर्मा, रामसूरत शर्मा सहित आदि लोग मौजूद रहे।

कोर्ट मैरिज करने पहुंचे हिंदू–मुस्लिम प्रेमी युगल, वकील के सामने ही हिंदू संगठन का हंगामा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को उस हंगामा हो गया जब एक प्रेमी जोड़ा कोर्ट मैरिज करने के लिए कचहरी पहुंच गया। प्रेमी जोड़ा हिंदू–मुस्लिम था। इसकी जानकारी मिलने पर हिंदू संगठन के पदाधिकारी कचहरी पहुंचे और वकील के चौंबर में बैठे प्रेमी युगलों को देखकर बवाल काट दिया। कचहरी में हुए इस हंगामे को देखकर वहां मौजूद लोगों की भीड़ लगने लगी। देखते ही देखते हिंदू संगठन के लोगों ने युवक और युवती से अभद्रता शुरू कर दी। वकील के पास बैठे युवक और युवती को हिंदू संगठन के लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। इस बीच आसपास मौजूद वकील समेत अन्य लोग मूकदर्शक बने रहे। हंगामा बढ़ने पर पहुंची पुलिस दोनों को साथ ले गई। पुलिस का कहना है कि दोनों बालिग हैं

और अपने फैसले अपनी मर्जी से ले सकते हैं। प्रकरण में कोई तहरीर नहीं मिली है।

बताया जा रहा है कि कचहरी में स्थित एक वकील के चौंबर में एक युवक और एक युवती कोर्ट मैरिज करने के मकसद से पहुंचे थे, तभी इसकी भनक हिंदू संगठनों के लोगों को लग गई। मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठन के लोगों ने हिंदू युवती और मुस्लिम युवक की शादी रोक दी और लड़की को बाहर ले आए। इस दौरान युवक के साथ मारपीट भी की गई। आरोप लगाया कि मुस्लिम युवक जबरन युवती को बहला–फुसलाकर कोर्ट मैरिज करने जा रहा था। पुलिस प्रेमी युवक को पकड़कर थाने ले गई है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 28 फरवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

साइबर का संगठित अपराध

यह खबर परेशान करने वाली है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा–धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल–जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं।

दरअसल, हो यह रहा है कि देश–दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततरू साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर–चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। दरअसल, इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है। जिससे न केवल एक तरह से बंधक बनाये गए युवाओं को मुक्त कराया जा सकेगा बल्कि तेजी से बढ़ती ऑनलाइन ठगी पर अंकुश लग सकेगा। दरअसल, इन साइबर अपराधियों की ऑनलाइन धोखाधड़ी के कारण हर साल कई ट्रिलियन डॉलर का नुकसान विभिन्न देशों की सरकारों को हो रहा है। जो दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी के बराबर है। निश्चित तौर पर यह धनराशि दूसरे अपराधों को सींचने में खर्च की जाएगी। एक ओर जहां देश में युवाओं के विदेश जाने वाली व्यवस्था को पारदर्शी व तार्किक बनाने की जरूरत है, वहीं विदेश में भविष्य चमकाने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को जागरूक व सतर्क करने की जरूरत है ताकि वे साइबर अपराधियों के चंगुल में न फंसें।

नया भूमि कानून और विसंगतियां

–जयसिंह रावत–

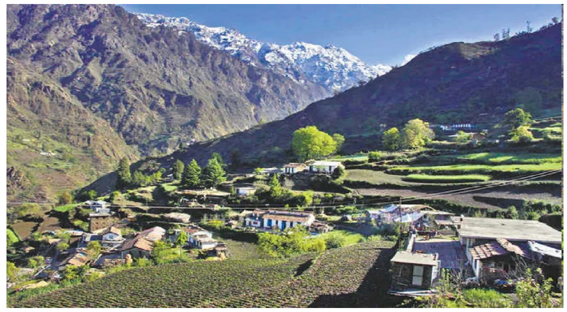

उत्तराखंड की धामी सरकार ने नया भूमि कानून पास तो करा दिया है, लेकिन इस कानून से पहाड़वासियों की नाउम्मीदी ज्यादा बढ़ गयी है। सरकारी पक्ष नये कानून को सख्त बताकर प्रचारित कर रहा है, लेकिन गरीब कास्तकारों के पुरखों की जमीनों के भू–खोरों, धन्नासेठों और गैर–कृषकों द्वारा हड़पने के नये रास्ते खुले बताते हैं। हालांकि, किसी देशवासी के लिये बाहरी शब्द का प्रयोग उचित नहीं है फिर भी जिन लोगों को बाहरी माना जा रहा है, उनके लिये उत्तराखंड में जमीनें खरीदने के लिये पिछले दरवाजे खुले हैं। अब तक गैर–कृषक के लिये जमीनों की खरीद पर बंदिशें थीं, लेकिन अब जिसकी भी उत्तराखंड में अचल सम्पत्तियां हैं उनके लिये भी किसानों की जमीनें खरीदने का रास्ता निकल गया है।

दरअसल, ऊपरी तौर पर हरिद्वार और उधमसिंह नगर को छोड़कर सरकार ने शेष 11 पहाड़ी जिलों में जमीनों की खरीद–फरोख्त पर अंकुश तो लगा दिया, मगर नगर निकाय चाहे कहीं की भी हों, उन्हें इस कानून से मुक्त कर दिया। विधि विशेषज्ञ और भू–कानून के लिए आन्दोलन करने वाले इसे प्रदेश की जनता के साथ छलावा बता रहे हैं।

नये कानून की धारा दो में कहा गया है कि 'नगर निगम, नगर पंचायत, नगरपालिका परिषद, छावनी परिषद क्षेत्रों की सीमा के अन्तर्गत आने वाले और समय–समय पर सम्मिलित किये जा सकने वाले क्षेत्रों को छोड़कर यह कानून सम्पूर्ण उत्तराखंड राज्य में लागू होगा।' उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण लोग गांव छोड़कर आसपास के कस्बों में बहुत तेजी से बस रहे हैं इन्हीं नगरीय क्षेत्रों में भूमि की सर्वाधिक खरीद–फरोख्त होती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, उद्यान, पर्यटन, के लिये निजी न्यास, संस्था, कम्पनी, फर्म, पंजीकृत सहकारी संस्था आदि के लिए भूमि का अन्तरण पर पहले भी प्रतिबंध नहीं था। नयी व्यवस्था में अगर भूमि का अन्तरण जनहित में है तो जमीन चाहने वालों का वास्तविक आंकलन कर भूमि अनिवार्यता प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा। साथ ही अन्तरण अनुमति से पूर्व सम्बंधित विभागों द्वारा निवेश की मात्रा, रोजगार सृजन तथा प्लांट और मशीनरी इत्यादि के परिप्रेक्ष्य में प्रस्ताव का आंकलन करते हुए भूमि अनिवार्यता प्रमाणपत्र विभागाध्यक्ष या एक रैंक नीचे के अधिकारी द्वारा जारी किया जायेगा।

कानून में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भूमि अन्तरण की अनुमति केवल हरिद्वार और उधमसिंह नगर में दी जायेगी। अगर भूमि की खरीद–फरोख्त की बंदिशें शेष 11 जिलों के लिये हैं तो उन पहाड़ी जिलों के नगर निकाय क्षेत्र इन दो जिलों की तरह कानून से मुक्त क्यों कर दिये गये? सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं उ.प्र रेवेन्यू बोर्ड के पूर्व सदस्य सुरेन्द्र सिंह पांगती का कहना है कि उधमसिंह नगर व हरिद्वार में जमीनों की खरीद–फरोख्त में छूट से जमीनें हड़पने हेतु पिछला दरवाजा खुला है।

नये कानून में व्यवस्था की गयी है कि अगर कोई व्यक्ति जो धारा 129 के तहत उत्तराखंड का खातेदार न हो तो उसे रजिस्ट्रार के सामने शपथपत्र देना होगा कि उसके परिवार के किसी भी सदस्य ने आवासीय उद्देश्य के लिये अपने जीवनकाल में 250 वर्गमीटर जमीन नहीं खरीदी है। सरकार को शिकायतें मिली थीं कि कानून का दुरुपयोग करते हुए कुछ लोगों ने परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी 250 वर्गमीटर जमीनें खरीद ली हैं। जबकि मूल कानून में व्यवस्था थी कि एक परिवार एक ही बार जमीन खरीद सकेगा और जमीन खरीदने के बाद भी वह और उसकी पीढ़ियां उत्तराखंड में भूमिधर नहीं मानी जायेंगी।

मूल अधिनियम में कुछ खास श्रेणियों के अलावा निजी तौर पर गैर–कृषकों द्वारा जमीनों की खरीद पर रोक थी। लेकिन नये कानून के अनुसार जिस व्यक्ति की 2003 या उससे पहले उत्तराखंड में अचल सम्पत्ति थी उसे भूमिधर मान लिया गया है। इसलिये उसे भी जमीनें खरीदने का अधिकार दे दिया गया है। मसूरी जैसे नगरों में अचल सम्पत्ति वाले लोग बड़ी संख्या में मौजूद हैं जो देश के विभिन्न हिस्सों से हैं। ऐसे लोग प्रायः बड़े उद्योगपति, धनाढ्य और बड़े व्यवसायी होते हैं जो कि बड़े पैमाने पर जमीनों का व्यवसाय कर मूल निवासियों को भूमिहीन बना सकते हैं। नये कानून में प्रावधान किया गया है कि अगर धारा 129 के तहत कोई व्यक्ति विशेष श्रेणी का भूमिधर है तो बैंक आदि का ऋण न चुका सकने पर उसकी सम्पत्ति की नीलामी हो जाती है तो उसकी सम्पत्ति को उसी श्रेणी का भूमिधर भी खरीद सकेगा और नीलामी में सम्पत्ति गंवाने वाला व्यक्ति बिना अनुमति के दुबारा उतनी ही जमीन खरीद सकेगा। राज्य सरकार के पूर्व विधि सलाहकार डॉ. एन.के. पन्त के अनुसार इस कानून ने जमीनें हड़पने का एक नया रास्ता खोल दिया है। जिनका खेती से कोई लेना–देना नहीं था वे भी अब खेती की जमीनें खरीद सकेंगे।

उत्तराखंड राज्य द्वारा पूर्ववर्ती राज्य से अंगीकृत जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950 की धारा 157 (ए) में अनुसूचित जातियों की जमीनों के ट्रांसफर या अन्तरण पर रोक है। धारा 157–ए के अनुसार अनुसूचित जाति से संबंधित कोई भी भूमिधर या असामी कलेक्टर की पूर्व स्वीकृति के बिना अपनी भूमि को अनुसूचित जाति से इतर किसी को हस्तांतरित नहीं कर सकता है।

लेकिन उत्तराखंड के नये भूमि कानून के अनुसार इन जातियों की जमीनों को 30 साल के लिये कृषि, बागवानी, जड़ी बूटी उत्पादन, पौधारोपण, पशुपालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, कृषि, फल प्रसंस्करण, चाय बागान व वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं के व्यक्ति, संस्था, समिति, न्यास, फर्म, कम्पनी एवं स्वयं सहायता समूह को पट्टे पर शर्तें निर्धारित करते हुये दी जा सकेगी। जबकि मूल कानून में इनकी जमीनों को पट्टे पर देने की भी मनाही है।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भाषा के नाम पर राजनीति

–विश्वनाथ सचदेव–

भूल जाना आदमी की फितरत है। आदमी अच्छी बातें भी भूल जाता है, और बुरी बातें भी। बुरी बातों को भूल जाना तो अच्छी बात है, पर कुछ अच्छी बातों को भूल जाना अच्छा नहीं है। ऐसी ही अच्छी बात वर्ष 1965 की भारत–पाक लड़ाई है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को मात दी थी। पता नहीं कितनों को याद होगा कि उस लड़ाई में अब्दुल हमीद नाम का एक भारतीय सैनिक भी था, जिसने पाकिस्तानी टैंकों को नष्ट करके हमारी जीत को संभव बना दिया था। तब क्वार्टर मास्टर अब्दुल हमीद ने हमें जिता तो दिया, पर अपनी जान की कीमत देकर। कृतज्ञ राष्ट्र ने उस जांबाज शहीद को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया था।

इस शहीद का जन्म उत्तर प्रदेश के दुल्लहपुर नामक गांव में हुआ था। गांव वालों ने अपने इस सपूत के सम्मान में गांव के स्कूल का नाम वीर अब्दुल हमीद उच्च प्राथमिक विद्यालय रखा था। बरसों से यह नाम गांव की एक पहचान बना हुआ था। कुछ ही अर्सा पहले स्कूल का नाम बदल दिया गयादृ नया नाम पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय धामपुर कर दिया गया। क्यों बदला गया, किसी ने नहीं बताया। बस बदल दिया!

नाम बदलने की यह अकेली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से मऊ को जोड़ने वाली सड़क पर बने एक द्वार का नाम ऐसे ही बदल दिया गया था। ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के नाम का यह द्वार बुलडोजर चला कर गिरा दिया गया। मुख्तार अहमद अंसारी के नाम पर बने एक कॉलेज की दीवारें गिरा देने वाला समाचार भी हाल ही का है। यह बात भुला दी गयी कि मुख्तार अहमद अंसारी कभी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। आजादी की लड़ाई के दौरान यह पद संभालने वाले अंसारी जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी की नींव रखने वालों में थे।

नाम बदलने का यह सिलसिला अब नया नहीं लगता। चौंकाता भी नहीं। पिछले दो दशकों में न जाने कितनी जगह के नाम बदले गये हैं। ज्यादातर नाम मुसलमानों के हैं। सवाल उठता है कि ऐसा क्यों? नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलता। औरंगजेब ने भले ही अत्याचार किये हों, पर वह वर्षों तक इस देश में शासन करता रहा, यह हकीकत तो अपनी जगह है। फिर, हम क्यों भूल जाते हैं कि किसी औरंगजेब को याद करने का मतलब उन अत्याचारों की भी याद दिलाता है, जिनसे हमारे इतिहास के पन्ने भरे हुए हैं। ऐसी बातों को याद रखना इसलिए भी जरूरी है कि इन्हें दुहराया न जाये।

बहरहाल, जगहों के नाम बदलना कोई नयी बात नहीं है। पर इस प्रक्रिया के पीछे की मानसिकता को भी समझा जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि शहरों आदि के नाम बदलने का काम सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में ही हो रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, द्रमुक आदि पार्टियों ने भी अपने–अपने शासन काल में इस तरह नाम बदले हैं। सच्चाई यह है कि अक्सर यह बदलाव राजनीतिक स्वार्थ का परिणाम होते हैं। अपने–अपने हितों के लिए हमारे राजनीतिक दल अक्सर जगहों का नाम बदलना एक आसान मार्ग समझ लेते हैं। लेकिन, यह आसान मार्ग अक्सर राष्ट्रीय हितों से भटका देता है, इस बात को भुलाना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

देश में, विशेषकर उत्तर प्रदेश में नाम बदलने की जो कवायद इस समय चल रही है वह उन सबके लिए चिंता का विषय होनी चाहिए जो राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं। सनद्द 2012 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश में 11 जिलों के नाम बदले गये थे, और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इलाहाबाद का प्रयागराज होना या फैजाबाद को अयोध्या नाम दिया जाना तो फिर भी कुछ समझ आता है, पर गोरखपुर के उर्दू बाजार को हिंदी बाजार नाम देने का क्या तुक है? न जाने कब से यह विवाद चल रहा है। एक वक्त ऐसा भी आया था जब इस बाजार में एक तरफ की दुकानों के बोर्ड पर पता उर्दू बाजार लिखा होता था और दूसरी तरफ हिंदी बाजार। इस बाजार को यह नाम इसलिए दिया गया होगा कि यहां अधिकतर दुकानों पर उर्दू किताबें बिकती थीं। किताबों की कुछ दुकानें अब भी हैं। दोनों भाषाओं की किताबें बिकती हैं यहां, शायद उर्दू की किताबों वाली दुकानें संख्या में अधिक हों। इस उर्दू बाजार को हिंदी बाजार नाम देने की जिद क्यों? इस तरह की जिद से समाज जुड़ता या बनता नहीं, टूटता और बिखरता है।

उत्तर प्रदेश में एक और अभियान भी चल रहा है– उर्दू को कठमुल्ला बनाने की भाषा घोषित करने का! राज्य की विधानसभा में कार्रवाई के अवधी, बृज आदि अनुवादों की व्यवस्था की गई है। जब सदन में यह मांग की गयी कि ऐसी व्यवस्था उर्दू के लिए भी की जानी चाहिए तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा– उर्दू माध्यम से पढ़ाकर कठमुल्ले बनाये जा रहे हैं। इस पर विवाद होना स्वाभाविक था। विवाद चल भी रहा है। किसी भी भाषा के प्रति इस तरह के विचार रखना अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। पर हमारे राजनेता ऐसे अपराध को राजनीतिक स्वार्थ साधने का माध्यम मानते हैं। यही नहीं, अब तो यह भी खुलेआम कहा जा रहा है कि उर्दू इस देश की भाषा ही नहीं है। कौन बताये कि उर्दू भाषा का जन्म इसी भारत में हुआ है, उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ के आस–पास। उर्दू के पक्ष में आवाज उठाने वालों को पाकिस्तान भेजने की बात करने वालों को यह कौन समझाये कि उर्दू पाकिस्तान के किसी भी हिस्से की भाषा नहीं थी। पाकिस्तान ने यह भाषा हमसे ली है। और हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उर्दू को पाकिस्तान की राजभाषा बनाने के विरोध में ही बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ था। मीर, गालिब, फिराक, मंटो जैसे रचनाकारों की भाषा है उर्दू। इसे कठमुल्ला बनाने वाली भाषा कहकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वास्तव में अनुचित ही कहा है। उन्हें शायद यह भी याद नहीं, या वे याद रखना नहीं चाहते, कि वर्ष 1989 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री एन.डी. तिवारी ने उर्दू को राज्य की दूसरी राजभाषा घोषित किया था।

योगी आदित्यनाथ शायद यह भी भूल गये हैं कि भाषा के आधार पर राजनीति करना देश के उस संविधान का उल्लंघन करना है जिसका गुणगान वे अक्सर करते रहते हैं। उन्हें यह भी याद दिलाना पड़ेगा कि जिस भाषा को वह कठमुल्लों की भाषा कह रहे हैं, उसके शब्द हिंदी में भरे पड़े हैं। बिना उर्दू शब्दों वाली हिंदी की कल्पना करना भी मुश्किल है। बिना उर्दू शब्दों के हिंदी के पांच वाक्य लिखना अपने आप में एक चुनौती है।

आस्था और प्रबंधन की दृष्टि में महाकुम्भ

–ललित गर्ग

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता–गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक–सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा–नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका–टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन–चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक–दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी–योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है।

ट्राली से उतरते समय गिरा बालक सिर पर पहिया चढ़ने से दर्दनाक मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। महाशिवरात्रि जुलूस के दौरान बड़ा हादसा हो गया। ट्राली से उतरते समय एक बाल ट्राली के पहिए की नीचे आ गया। इससे कुचल कर बालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सिरसिया थाना क्षेत्र के चिल्हरिया गांव में हर साल की तरह इस बार भी बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व पर शोभायात्रा निकाली गयी थी। जिसमें गांव के बच्चे ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर शोभायात्रा में जा रहे थे। शोभायात्रा चिल्हरिया मोड़, सेमरा, कमदी आदि गांवों का भ्रमण करते हुए वापस शिवमंदिर चिल्हरिया पहुंची। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्राली को पीछे करने लगा तभी ट्राली में मौजूद बच्चे ट्राली से नीचे उतरने लगे और इस दौरान अमित कुमार (6) पुत्र विश्वनाथ उपाध्याय ट्राली से उतरते समय अचानक नीचे गिर गया और ट्राली के पहिए के नीचे आ गया। इससे पहिया बालक के ऊपर चढ़ गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ लोग बच्चे को उठाकर उसके घर पहुंचे। इसके बाद चाचा कैलाशनाथ बालक को बाइक से लेकर संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने बालक को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों की सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर हादसे की सूचना पर सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। बालक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। । रात से घर से लापता एक युवक की लाश दूसरे दिन फांसी के फंदे से लटकी मिली। शव देख लोगों की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के ग्राम पंचायत हर्रैया तराई के मजरा जिगिरिया निवासी संदीप पाण्डेय (19) पुत्र शिवपाल बुधवार शाम घर से निकला था। लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं आया। घर के लोग युवक की मोबाइल पर काल करते रहे पर फोन रिसीव नहीं हुआ। इस परिजनों को अनहोनी की आशंका होने लगी। परिजन युवक की तलाश करने लगे लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। दूसरे दिन गुरुवार सुबह संदीप का चचेरा भाई राम गोपाल अपने साथी बदलू के साथ तलाश करते हुए सिरसिया थाना क्षेत्र के लालपुर गांव के बाहर स्थित नहर की पटरियों से होकर जा रहे थे। इस दौरान नहर के बगल लगे बबूल पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से किसी की लाश लटक रही थी। दोनों ने मौके पर जाकर देखा तो लाश संदीप की थी। दोनों ने परिजनों को सूचित किया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। जिसके बाद लक्ष्मनपुर पुलिस चौकी प्रभारी जगतराम मौर्य, जोखवा पुलिस चौकी प्रभारी वीपेन्द्र कुमार यादव घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही सिरसिया पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज पुलिस व फारेंसिक टीम मौके पर पहुंचे। फारेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य संकलन किया। साथ ही पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिहार यूपी बॉर्डर पर मिली लाश का पोस्टमार्टम कौन कराए, घंटों उलझी रही दो राज्यों की पुलिस

संवाददाता–कुशीनगर। बिहार और उत्तर प्रदेश के बॉर्डर पर मिली लाश का पोस्टमार्टम कौन कराए, इस मुद्दे पर दोनों राज्यों की पुलिस उलझ गई। इस चक्कर में एक युवती का शव घंटों घटनास्थल पर ही पड़ा रहा। पश्चिम चंपारण (बिहार) और कुशीनगर (यूपी) के बीच घाघवा नाला पर बने पुल के दक्षिणी पाया के पास युवती का शव गुरुवार सुबह कंबल में लिपटा हुआ पाया गया। युवती की गैंगरेप के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। सीमावर्ती ग्रामीणों ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिहार के भितहा थाना और यूपी के विशुनपुरा थाना की पुलिस ने प्रथमदृष्ट्या जांच कर मौके का सत्यापन किया। हालांकि, दोनों राज्यों की पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने से बचती रही।

दोनों ही थानाध्यक्षों ने अपने–अपने वरीय अधिकारियों को घटना और स्थिति से अवगत कराया। वरीय पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप एवं निर्देश के बाद यूपी पुलिस ने आखिरकार शव को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। घटना स्थल पर युवती की पहचान नहीं हो पाई। भितहा एवं विशुनपुरा पुलिस शव की शिनाख्त को लेकर सक्रिय होकर कार्यवाही कर रही है।

कुशीनगर जनपद की विशुनपुरा थाना के एसएचओ राजू सिंह एवं पश्चिम चंपारण जिले के भितहा थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि मृतक युवती के गले पर जख्म का निशान दिख रहा है। उसने छींटदार टॉप एवं पैर में नीली लैगिज पहनी हुई है। मृतक युवती का शव लाल पिंक कंबल में अस्तव्यस्त अवस्था में लिपटा हुआ था। उसकी उम्र लगग 20 साल बताई जा रही है।

दोनों थानाध्यक्षों ने बताया कि मृतका की पहचान की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। मौके पर ग्रामीणों ने युवती के शरीर की स्थिति, गर्दन एवं सीने पर खरोंच एवं जख्म का निशान और साफ सुथरी कंबल देखकर गैंगरेप के बाद या गैंगरेप के दौरान युवती की मौत होने की आशंका जताई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

बिजली बिल मांगने पर पटीदारों ने पीटा

संवाददाता–महराजगंज। थाना क्षेत्र के शिकारपुर के एक व्यक्ति को बिजली बिल जमा करने के लिए पैसा मांगने पर पटीदारों ने उसकी पिटाई कर दी। सूचना के अनुसार शिकारपुर निवासी नागेंद्र कुमार ने घटना के दिन बिजली का बिल जमा करने के लिए अपने पटीदारों से पैसा मांगा। यह बात उनको नागवार लगी और नागेंद्र कुमार को गाली देने लगे। मना करने पर पटीदारों ने उक्त व्यक्ति की पिटाई कर दी। नागेंद्र ने किसी तरह जान बचाकर घर में भागा। थानाध्यक्ष मदन मोहन मिश्र के अनुसार, शिकायतकर्ता की तहरीर पर परमिल श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, अंश श्रीवास्तव व दिलीप श्रीवास्तव पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दूसरी के आधार और वोटर आईडी पर ले लिया 5.17 लाख का लोन

संवाददाता–महराजगंज। आनंदनगर वार्ड नंबर 07 लोहिया मार्केट निवासी पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष के पति मुहम्मद अली ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि हमारा वोटर आईडी और आधार कार्ड का फर्जी इस्तेमाल कर साइबर अपराधियों ने 5.17,850 लाख का कार लोन ले लिया। इसकी जानकारी तब हुई जब खुद फाइनेंस कराने के लिए बैंक से संपर्क किया। बैंक से जब खुद का सिविल निकाला तो पता चला कि फर्जी तरीके से प्रपत्र का उपयोग करके लोन पास करा लिया गया है, जबकि इस बात कि भनक तक नहीं लग सका था। मांग की है।

माटीकला के 25 कारीगरों को वितरित किया विद्युत चाक

संवाददाता–श्रावस्ती। बेरोजगारों को खुद का रोजगार स्थापित करने के लिए सरकार की ओर से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिसके तहत माटीकला के 25 कारीगरों को विद्युत चाक का वितरण किया गया। साथ ही योजना का लाभ दिलाने वाले ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। खादी ग्रामोद्योग विभाग की ओर से गुरुवार को डीपीआरसी विकास भवन में माटीकला से संबंधित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा व सीडीओ अनुभव सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत व सीडीओ ने माटी कला के चयनित 25 कारीगरों को निशुल्क विद्युत चालित चाक का वितरण किया। वहीं खादी ग्रामोद्योगी योजनाओं में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक इकाईयों की स्थापना कराने में सहयोग करने वाले चयनित ग्राम प्रधान छांगुर प्रधान कटरा, रेशमा देवी प्रधान फतुहापुर, मंजू देवी प्रधान अचरौरा शाहपुर, खुशबू प्रधान धूमबोझी दुर्गा, राधेश्याम प्रधान मोतीपुरकला, राजेन्द्र प्रसाद प्रधान कटकुईया कला व अतीक खान प्रधान नौबस्ता को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र व दो हजार रुपये प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। दद्दन मिश्रा ने कहा कि सरकार की ओर से माटीकला को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसके तहत इच्छुक कामगारों को विभाग की ओर से ऋण की सुविधा मुहैया करायी जा रही है। जिससे वे अपना रोजी रोजगार स्थापित कर जीवन यापन कर सकते हैं। वहीं सीडीओ ने कहा कि ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत आज विद्युत चाक का निशुल्क वितरण कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे वह आत्मनिर्भर बन सके। इस मौके पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कमलेश कुमार, रोशनलाल पुष्कर आदि मौजूद रहे।

ईवीएम वेयर हाउस का मसिक निरीक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस का गुरुवार को मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयर हाउस में रखे बैलेट यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट तथा वीवी पैट की निगरानी व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने तथा सीसीटीवी कवरेज के डीवीआर के नियमित संचालन व रिकार्डिंग का निर्देश दिया। इस मौके पर एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी, जिलाध्यक्ष सपा सर्वजीत यादव, जिला मंत्री भाजपा अरुण पाण्डेय, जिलाध्यक्ष बसपा राजेश कुमार गौतम, कांग्रेस से यशोदा नन्दन शर्मा आदि मौजूद रहे।

सलेमपुर में होटल पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पड़ा छापा, कई जोड़े पकड़े गए

संवाददाता–देवरिया। जिले के सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बुजुर्ग मोड़ के समीप स्थित एक होटल पर गुरुवार की दोपहर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान कुछ जोड़ों के संदिग्ध परिस्थिति में पकड़े जाने की सूचना है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीओ समेत कई अन्य अधिकारी भी मौके पर जमे हुए हैं। सलेमपुर–देवरिया मार्ग पर रामपुर बुजुर्ग मोड़ के समीप एक होटल है। जिसमें अवैध कार्य होने की शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही थी। गुरुवार की दोपहर नायब तहसीलदार गोपालजी, सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला, कोतवाल टीजे सिंह ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की। होटल में छापेमारी होते ही खलबली मच गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अलग–अलग कमरों से कुछ संदिग्ध परिस्थिति में जोड़े पकड़े गए हैं। जिनसे पूछताछ की जा रही है और उनकी आईडी की भी जांच की जा रही है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया कि चार जोड़े पकड़े गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। पकड़े गए जोड़े बालिग हैं। जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फोन चोरी के शक में युवक को दी तालिबानी सजा, प्राइवेट पार्ट पर बरसाई बेल्ट

संवाददाता–देवरिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक ईंट भट्ठा के कार्यालय में मोबाइल चोरी के शक में एक युवक के साथ बर्बरता की गई। दबंगों ने उसे पकड़कर बेरहमी से पीटा। इतने से भी मन नहीं भरा तो उसके प्राइवेट पार्ट पर बेल्ट की बौछार कर दी। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित के तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य फरार चल रहे दोनों अभियुक्तों की तलाश जारी है।

गोरखपुर जनपद के झंगहा थाना क्षेत्र के हरैया गांव निवासी चन्द्र प्रकाश सिंह उर्फ चंदन पुत्र आशीष कुमार सिंह ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि मोबाइल चोरी की बात कहते हुए नगर राजपूत कटरा के मकान में मनबढ़ो ने बंधक बनाकर उसे पकड़कर बेरहमी से पिटाई की। इतने से भी मन नहीं भरा तो उसके प्राइवेट पार्ट पर बेल्ट की बौछार कर दी।

वायरल वीडियो में बेल्ट से पिटाई करते भी दिख रहा है, जो तहरीर के साथ पुलिस को युवक ने दिया है। वीडियो में दिख रहा है कि कैसे पीड़ित युवक को सोफे पर उल्टा लिटाया गया है। उसके सिर पर एक शख्स बैठा है और दूसरा आरोपी पीड़ित के पिछले हिस्से पर बेल्ट से मार रहा है।

वहीं, पास में खड़ा तीसरा शख्स मोबाइल से घटना को रिकॉर्ड कर रहा है। मामला को गंभीरता से लेते कोतवाली पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र के हरैया वार्ड नंबर 5 निवासी रोहित कुमार श्रीवास्तव पुत्र अशोक लाल श्रीवास्तव, मईल थाना क्षेत्र देहरी गांव निवासी प्रियांशु सिंह पुत्र गुड्डू सिंह समेत दो व्यक्ति के खिलाफ खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने रोहित श्रीवास्तव को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि अन्य सभी आरोपितों की तलाश जारी है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। एक आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

फर्जी तरीके से 9 साल से कर रहा था शिक्षक की नौकरी, बीएसए ने किया बर्खास्त

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा ब्लॉक क्षेत्र के बलुआ गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय पर एक शख्स फर्जी तरीके से पिछले नौ साल से शिक्षक की नौकरी कर रहा था। मामले में विभाग की ओर से शिकायत के आधार पर जांच कर शिक्षक को नोटिस दी गई। नोटिस के बाद सटीक जवाब नहीं मिलने पर फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है। विभाग की ओर से की गई कार्रवाई से अन्य शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

बीएसए प्रदीप कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है कि उन्हें शिकायत मिली थी सिसवा ब्लाक के गांव बलुआ स्थित प्राथमिक विद्यालय में तैनात सहायक अध्यापक ओमकार चौधरी फर्जी तरीके से नौकरी कर रहा है। ऐसे में शिकायत के आधार पर उक्त शिक्षक ओमकार के हाईस्कूल के अंकपत्र, प्रमाण पत्र की जांच संबंधित परीक्षा बोर्ड से कराया गया।

इस दौरान तेलंगाना हैदराबाद के सहायक संयुक्त सचिव, निदेशक ने बताया ओमकार चौधरी के प्रमाण पत्र की टैली करने पर उनके नाम का रिकार्ड उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं फिर इसके बाद इसकी जांच खंड शिक्षा अधिकारी सिसवा की ओर से की गई। जांच के बाद खंड शिक्षा अधिकारी ने आरोपित शिक्षक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

लेकिन, उक्त शिक्षक न तो कार्यालय में उपस्थित हुए और न ही स्पष्टीकरण ही दिया। इसके बाद भी कई बार नोटिस दी गई। फिर भी शिक्षक ने अपना कोई भी जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं मामले से संबंधित कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया। ऐसे में फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे शिक्षक ओमकार चौधरी की नियुक्त निरस्त कर दी गई है।

एसपी ने शहर स्थित दरगाह का लिया जायजा

संवाददाता–बहराइच। शहर स्थित सैय्यद सालार मसऊद गाजी दरगाह परिसर का गुरूवार को एसपी रामनयन सिंह ने भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने परिसर के विभिन्न स्थानों को देखा। कमेटी पदाधिकारियों से भी रमजान व जेठ मेला की तैयारी के बारे में जानकारी ली।

एसपी रामनयन सिंह ने गुरुवार को अचानक दरगाह पहुंच कर रमजान व जेठ मेला को लेकर कमेटी की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कमेटी अध्यक्ष बकाउल्ला, नायब सदर मकसूद अहमद रायनी, प्रभारी मैनेजर हाजी अलीमुलहक, मेम्बर अधिवक्ता दिलशाद अहमद आदि से विभिन्न जानकारियां ली। जेठ मेले के दौरान होने वाले कार्यक्रम भी जाने। दरगाह प्रांगण का भ्रमण किया। दरगाह शरीफ प्रबंधन कमेटी अध्यक्ष बकाउल्ला ने आगामी जेठ मेले के संबंध में हो रही तैयारियों पर जानकारी दी। जिसमें शौचालय, पेयजल, टीन शेड, मुख्य रास्तों का पुनः निर्माण आदि शामिल है।

इस मौके पर हाजी अजमत उल्ला, मकसूद, शमशाद अली, मोहम्मद आरिफ, इलियास अली शब्बू, तनवीर आदि उपस्थित रहे।

बालू लदा ट्रक सड़क पर फंसा, चार घंटे से आवागमन ठप

संवाददाता–देवरिया। भाटपाररानी के मिशन रोड में गुरुवार की सुबह बालू लदा ट्रक नाली में फंस गया। जिससे दोनों तरफ से आवागमन ठप हो गया। सड़क के किनारे नाला निर्माण का काम चल रहा है। ठेकेदार द्वारा जेसीबी से सड़क के किनारे गड्ढा कर दिया गया है जिससे दुकानदारों समेत मुहल्ले के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। नगर के मिशन रोड पर सुबह 10 बजे के आसपास रतसिया मोड़ की तरफ से दुर्गा मंदिर के तरफ आ रहा बालू लदा ट्रक फंस गया। नगर में कुछ दिनों से नाला निर्माण का कार्य चल रहा है। ठेकेदार जेसीबी से सड़क के किनारे खुदाई कर के मिट्टी का ढेर लगा दिया है। संकरा रोड होने जाने के कारण गाड़ियों के आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। सड़क के किनारे गड्ढा हो जाने से अनहोनी की आशंका बनी रह रही है। मुख्य मार्ग पर ट्रक के फंस जाने से चार घन्टे से आवागमन ठप है।

जाति विशेष नहीं प्रदेश का विकास कर रही है सरकार

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा के जिला महामंत्री प्रदीप सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार जाति विशेष नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का विकास करर रही है। कहा कि वर्षों से नौतनवा विधानसभा का रोहिन बैराज टूटा पड़ा था। एक दिन पूर्व मीडिया से बातचीत में प्रदेश में माफिया मुक्त पर सवाल करने वाले पूर्व विधायक पर भाजपा नेता ने सवाल उठाया। कहा कि सैकड़ो गांव के हजारों किसानों की फसलें नुकसान हो रही थी, तब पूर्व विधायक कहां सो रहे थे? भाजपा की सरकार ने किसानो की परेशानियों को देखते हुए रोहिन बैराज के लिए 141 करोड़ धन स्वीकृत किया और आज रोहिन बैराज बनकर तैयार होने वाला है। इससे सैकड़ों किसानों को जल्द ही लाभ मिलने लगेगा। कहा कि लक्ष्मीपुर ब्लॉक के सेमरहवा गांव में पुल निर्माण को लेकर विधायक ऋषि त्रिपाठी द्वारा दिये गए प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से भी आश्वासन मिल चुका है। इसके बाद विधानसभा की पटल पर क्षेत्र की और भी समस्याओं को रखा गया है।

विधायक ने विधानसभा में उठाया चीनी मिल का मुद्दा

संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा विधायक वीरेन्द्र चौधरी ने विधानसभा में गणेश शुगर मिल एवं बुद्ध की ननिहाल देवदह के विकास का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही फरेंदा में एक बस स्टेशन बनवाने की बात कही। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार 8.15 लाख करोड़ के भारी भरकम बजट का ढिंढोरा पीट रही है, जबकि इसमें गांव गरीब, किसान, मजदूर, युवा एवं महिलाओं के उत्थान के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कबीर के दोहे का जिक्र करते हुए कहा कि बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर, पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर...।

उन्होंने कहा कि महराजगंज जनपद को चीनी का कटोरा कहा जाता था, लेकिन सरकार कि गलत नीतियों के कारण जिले के चार चीनी मिलो में से फरेंदा सहित तीन चीनी मिल बंद हैं। इस क्षेत्र के किसान नगदी फसल के रूप में काफी मात्रा में गन्ना बोते थे, लेकिन चीनी मिल बंद होने से वे इससे विमुख हो गए।

डाकिया को बाइक भत्ता और पेंशन की मिले सुविधा

संवाददाता–देवरिया। चिट्ठी शब्द आते ही लोगों के जेहन में वह डाकिया याद आ जाता है, जो डेढ़ दशक पहले तक शहर से लेकर गांव तक अपनी एक अलग पहचान बनाए रखता था। समय के साथ डाक विभाग अपने को बदलने की कोशिश में लगा है लेकिन विभाग की सबसे मजबूत कड़ी डाकिया के हालात समय के साथ और खराब होते गए। नियमित कर्मचारियों के रिटायर होने के बाद विभाग ने संविदा पर डाकियों की तैनाती शुरू की। इन्हें हर माह करीब 15 हजार रुपये मानदेय मिलता है। इनके लिए न स्वास्थ्य की सुविधा है और न ही रिटायर होने के बाद पेंशन। भटनी में तैनात डाकिया काजल राजभर कहती हैं कि उन्हें रोजाना कम से कम 100 डाक बांटनी होती है। इसके अलावा आधार आधारित पेमेंट समेत अन्य कार्य भी करने होते हैं। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन डाकिया के मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की जा रही। कम मानदेय के चलते घर खर्च चलाना और बच्चों की परवरिश करना कठिन हो गया है। बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाना डाकिया के लिए सपना हो गया है।

कर्मचारियों के रिटायर होने और नए कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं होने से विभाग में डाकियों की संख्या भी घटती जा रही है। ऐसे में अब कर्मचारियों को अधिक क्षेत्र कवर करना पड़ता है। लेकिन साइकिल भत्ता के नाम पर सालों से तय किया गया 60 रुपये महीना ही भत्ता दिया जाता है। त्रिपुरारी दीक्षित कहते हैं कि अधिक दूरी तय करने के कारण अब साइकिल से डाक बांटना संभव नहीं है। बाइक से डाक बांटने पर रोजाना सौ से दो सौ रुपये पेट्रोल में खर्च हो जाता है। कई बार डाकियों ने बाइक भत्ता की मांग की मगर न तो सरकार ने इस पर ध्यान दिया और न ही अधिकारी इसका संज्ञान ले रहे। तेल का खर्च मानदेय से ही जाता है। जबकि पहले से ही हम लोगों का वेतन बहुत कम है। विनय कुमार और धनंजय यादव का कहना है कि अगर हमारे साथ किसी तरह की दुर्घटना हो जाए तो परिवार को कुछ नहीं मिलता। हादसे पर इलाज भी अपने खर्च पर कराना पड़ता है। हम डाकियों की मांग है कि सरकार हमारा दस लाख रुपये तक का बीमा कराए। इसके साथ ही डाकिया और उनके परिवार को इलाज की भी सुविधा मिलनी चाहिए। सरकार या तो आयुष्मान कार्ड बनवाए या स्वास्थ्य बीमा का इंतजाम करे। कोरोना काल में डाक विभाग और डाकिया का महत्व बढ़ गया। डाकिया को इलेक्ट्रानिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। डाकिया लोगों के दरवाजे–दरवाजे पहुंच कर आधार आधारित पेमेंट देने की सुविधा देना शुरू कर दिए। एक–एक महीने में जिले में एक–एक करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन आधार से किया गया। इसके अलावा वाहन बीमा की भी सुविधा डाक विभाग ने शुरू की है। इसके तहत डाकिया लोगों के घर जाकर मौके से वाहन का बीमा करता है। लोगों का आधार कार्ड बनाने के साथ ही जीवित प्रमाण–पत्र की सुविधा भी देता है। फोन करने पर डाकिया पेंशनर्स के घर जाते हैं और उनका लाइव जीवित प्रमाण–पत्र बनाते हैं। डाकियों का कहना है कि जीवित प्रमाण–पत्र लोगों के दरवाजे पर जाकर बनाते हैं, लेकिन उसके लिए उन्हें कुछ नहीं मिलता। वह अपना पेट्रोल खर्च कर जाते हैं। ऐसे कार्य के लिए भी उन्हें अलग से कुछ राशि मिलना चाहिए।

डाक विभाग में समय के साथ बहुत कुछ बदल गया। साधारण तथा पंजीकृत डाक के अलावा स्पीड पोस्ट, एक्सप्रेस पार्सल, प्रीमियम पार्सल आदि की सुविधा से भी विभाग जुड़ चुका है। विभाग अब ई–पोस्ट द्वारा त्वरित संदेश भेजने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। पहले केवल मनी ऑर्डर के द्वारा धन अंतरण की सुविधा थी, अब इलेक्ट्रॉनिक मनी ऑर्डर, इंस्टेंट मनी ऑर्डर, वेस्टर्न यूनियन, मनीग्राम, एमओ विदेश, आइएफएस मनी ऑर्डर, मोबाइल मनी ऑर्डर ट्रांसफर के जरिए देश–विदेश में त्वरित धन अंतरण की सेवा दे रहा है।

बदनीयती से गन्ने के खेत में किशोरी को खींचा

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय लड़की ने थाने पर तहरीर दिया है कि बुधवार शाम को वह शौच के लिए खेत गयी थी। वहां पहले से मौजूद गांव के विन्देश वर्मा व रामू चौहान बदनीयती से उसे गन्ने के खेत में जबरन खींच ले गए और अश्लील हरकत की। पीड़िता के शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दोनों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

साइबर ठग ने मुख्य आरक्षी को बनाया निशाना

संवाददाता–बहरइच। बिजली थाना पर तैनात मुख्य आरक्षी से साइबर ठग ने दोस्त का सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर दो बार में हजारों रुपये ट्रांसफर करा लिए। जब उन्हें अपने साथ हुई धोखाधड़ी का आभास हुआ तो साइबर थाना पुलिस को शिकायती पत्र दिया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

रुद्रपुर बरईपारा निवासी उमेश यादव विद्युत अपराध निरोधक थाने में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात है। बाइस फरवरी को साइबर ठग ने उनके दोस्त संजय सिंह का सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर रुपयों की जरूरत बताते हुए बैंक खातों में दो बार में कुल 44 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। दोबारा से एक फोन पे नंबर पर पैसे मांगने लगा तो उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने पैसे ट्रांसफर नहीं किए। अगले दिन फिर दूसरे बैंक खाते में पैसे मांगने लगा। संदेह होने पर दोस्त को कॉल किया तो उसने किसी भी तरह की जरूरत और पैसे न मांगे जाने की बात कही। इसके बाद उन्हें अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला। घटना की सूचना पीड़ित ने साइबर पुलिस को दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दिया है। घटना के संबंध में साइबर थानाध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि अज्ञात पर धोखाधड़ी, आईटी एक्ट का मामला दर्ज कर बैंक खातों का स्टेटमेंट निकलवाया जा रहा है।

पौराणिक धरोहरों की महत्ता से रू-ब-रू हुईं राज्यपाल सूर्यकुंड-विद्याकुंड व सीताकुंड के किए दर्शन

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पहुंची। पहले दिन राज्यपाल अयोध्या की पौराणिक धरोहरों की महत्ता से भी रू—ब—रू हुईं। उन्होंने रामनगरी की पौराणिकता के गवाह सूर्यकुंड, विद्याकुंड व सीताकुंड जाकर दर्शन—पूजन किया और इनकी महत्ता भी जानी। वे धार्मिकता में लीन नजर आईं।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एयरपोर्ट पर सखी स्टोर का उद्घाटन करने के बाद दर्शन नगर स्थित सूर्यकुंड पहुंची। जहां पर उन्होंने अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से कराए गए सुंदरीकरण को देखा। यहां स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर में दर्शन—पूजन किया। यहां की पौराणिक धरोहरों के विषय में जानकारी ली। इसके बाद राज्यपाल सीताकुंड व विद्याकुंड पहुंची। उन्होंने सीताकुंड पर पूजा—अर्चना भी की। पंडित अमित पांडेय ने विधिविधान से पूजा—अर्चना संपन्न कराई। यहां करीब 15 मिनट तक सीताकुंड का भ्रमण करने के बाद वह विद्याकुंड पहुंची। विद्याकुंड के सुंदरीकरण कार्य की जानकारी ली। विद्याकुंड पर पर्यटक सुविधा विकसित करने के लिए यहां पेयजल की व्यवस्था की गई है। छतरी, भव्य प्रवेश द्वार, पाथवे, बेंच, दिशा सूचक, बाउंड्रीवॉल का निर्माण, स्तंभ, लाईटिंग के भी इंतजाम किए गए हैं। विद्याकुंड पहुंचने पर महंत प्रेमशंकर दास व सौमित्र मिश्र ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। महंत ने विद्याकुंड की पौराणिकता महत्ता से राज्यपाल को अवगत करा। बताया कि त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने अपने भाइयों के साथ विद्याकुंड पर ही शिक्षा ग्रहण की थी। श्रद्धालु इस कुंड में स्नान करने के बाद विद्यामाता सरस्वती के दर्शन प्राप्त करते हें। कुंड से सटा विद्यादेवी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। हर माह की अष्टमी पर यहां पूजन करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने विद्याकुंड की परिक्रमा भी की।

युवक ने घर फाँसी लगा कर लिया आत्महत्या

संवाददाता—गोरखपुर। पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या चार पण्डित दीनदयाल नगर तिघरा गांव के 35 वर्षीय शिवेन्द्र सिंह उर्फ शब्बू पुत्र उमाशंकर सिंह ने बुधवार की रात करीब दस बजे अज्ञात कारणों से कमरे में छत की कुंडी से फन्दा लगा कर आत्महत्या कर ली है। परिवारीजन खाना खाने के लिए बुलाने कमरे में पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। परिवारीजनों की सूचना पर पहुंची पीपीगंज पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजकर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या चार निवासी शिवेंद्र सिंह उर्फ शब्बू बुधवार को महाशिवरात्रि मेला देखकर शाम को घर पहुंचा था। वह कमरे में आराम करने चला गया। परिवारीजन खाना खाने के लिए बुलाने गए तो देखा कि कमरे में छत की कुन्डी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। कमरे का दरवाजा खुला हुआ था और कमरे में कोई मौजूद नहीं था। आत्महत्या की वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

मौके पर पहुंची पीपीगंज पुलिस और फोरेंसिक टीम मौत का कारण तलाशने में जुटी हुई है। पीपीगंज प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत की वजह स्पष्ट हो जाएगी।

चोरी के सामान के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। भवानीगंज पुलिस ने चोरी के सामान के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि भवानीगंज थाना क्षेत्र के गरदहिया स्कूल में चोरी हुई थी। गुरुवार की सुबह पुलिस ने साधु यादव पुत्र राज किशोर यादव निवासी देईपार थाना भवानीगंज को चोरी के एक टिल्लू पंप व एक हैंडपंप के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

सपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, महिला अपराधों सहित कानून व्यवस्था पर योगी सरकार को घेरा

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में गुरुवार को सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कानून व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर एकत्र हुए। प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ धरना—प्रदर्शन किया।

इस मौके पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया गया। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि अयोध्या में दिन प्रतिदिन कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। इधर एक—दो महीने में एक दर्जन से अधिक बेटियों के साथ जघन्य अपराध हुआ है। उदाहरण देते हुए सांसद ने बताया कि अयोध्या कोतवाली के शहनवा गांव में बेटी के साथ क्रूरता के साथ हत्या हुई। इस हत्या में भाजपा के लोग फंसे हुए हैं। खंडासा थाना के कुरावन गांव में 14 साल की बालिका के साथ दुष्कर्म हुआ। थाना इनायतनगर क्षेत्र से एक बेटी स्कूल में फीस जमा करने आई थी। आरोपियों ने उसका अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया और जब वह बेहोश हो गई तो उसे जिला अस्पताल में भर्ती कर फरार हो गए। इसी तरह से थाना पूराकलंदर क्षेत्र के सरियावां में भी चौकीदार की पीट—पीटकर हत्या कर दी गई। इनायतनगर थाना क्षेत्र के परशुरामपुर सथरा में एक व्यक्ति को मार दिया गया। जनपद में लगातार कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। कानून व्यवस्था संभालने में भाजपा सरकार फेल साबित हो रही है।

कर्मचारियों संग बैठक कर जिम्मेदारियों का कराया बोध

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत सभागार में गुरुवार को ईओ महेश प्रताप श्रीवास्तव ने कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसमें साफ—सफाई पर विशेष जोर देने के साथ ही प्रदेश स्तर पर नगर की रैंकिंग बेहतर लाने की दिशा में मंथन किया। ईओ ने स्वच्छ सर्वेक्षण के दृष्टिगत सभी सुपरवाइजरों एवं कार्यालय स्टाफ को जिम्मेदारियों का बोध कराते हुए सिटीजन फीडबैक को जोर—शोर से बढ़ाने का निर्देश दिया। ईओ द्वारा नगर को कचरा मुक्त बनाने, खुले स्थान एवं नाले में कचरा न फेंकने, डोर टू डोर कलेक्शन में मदद करने, कूड़े को अलग—अलग रखने, गीले कूड़े से होम कंपोस्टिंग बनाने, पॉलिथीन एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने आदि के बारे में नागरिकों को जागरूक करते हुए सहयोग लेने का आह्वान किया। इस दौरान हसन ताकीब, महंत मिश्र, अर्पित दुबे, आकाश आदि मौजूद रहे।

43 शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का वेतन-मानदेय रोका

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टास्कफोर्स के अधिकारियों के 14 से 19 फरवरी तक किए निरीक्षण में 43 शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक अनुपस्थित मिल हैं। बीएसए ने सभी का वेतन—मानदेय रोकते हुए तीन दिन के अंदर साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण तलब किया है। बीएसए ने कहा कि समय से संतोषजनक जवाब न मिलने पर विभागीय कार्रवाई संस्थित कर दी जाएगी। बीएसए प्रकाश सिंह ने बताया कि जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टास्कफोर्स के अधिकारियों की ओर से प्रेरणा निरीक्षण ऐप के माध्यम से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद 14 फरवरी से 19 फरवरी तक अनाधिकृत रूप से प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व अन्य कर्मी अनुपस्थित मिले हैं। बीएसए ने बताया कि लोटन में 11, मिठवल में छह, उस्का में पांच, बर्डपुर, डुमरियागंज, इटवा, जोगिया, नौगढ़ व शोहरतगढ़ में तीन—तीन, बांसी में दो, खेसरहा में एक अनुपस्थित मिले हैं। अनुपस्थित प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों का उस दिन का वेतनध्मानदेय नो वर्क नो पे के आधार पर अवरुद्ध कर दिया गया है। साथ ही अनुपस्थिति के संबंध में तीन दिन के अंदर साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण तलब किया गया है। उन्होंने कहा कि समय से संतोषजनक स्पष्टीकरण न होने की दशा में संबंधित के विरुद्ध अनुशासनिक विभागीय कार्रवाई संस्थित कर दी जाएगी। बीएसए ने संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अनुपस्थित तिथि का तीन दिवस के भीतर अनुपालन आख्या उपलब्ध कराएं।

अब झपकती पलकें बताएंगी काम कर रहे हैं मनरेगा मजदूर

संवाददाता—संतकबीरनगर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में हाजिरी लगाते समय झपकती पलकें बताएंगी कि आप काम पर हैं। अब जिले में सभी कार्यों पर मनरेगा मजदूरों का चेहरा स्कैन कर हाजिरी लगेगी। ऑनलाइन हाजिरी लगाने के लिए रोजगार सेवकों को एनएमएमएस (राष्ट्रीय मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम) सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करना होगा। इस दौरान एक साथ 10 मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाई जा सकेगी। इसके अलावा यह हाजिरी कार्यस्थल से महज 30 मीटर के दायरे में ही लग पाएगी। जल्द ही यह व्यवस्था प्रभावी हो जाएगी। इसके लागू होने के साथ मनरेगा में चल रहा फर्जी मजदूरों को लगाने का खेल भी समाप्त हो जाएगा।

मनरेगा कार्यों में और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए अब योजना के तहत काम करने वाले मजदूरों की हाजिरी फेस रीडिंग के जरिये लगाई जाएगी। इसके लिए मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर हो रहे फर्जीवाड़े पर नकेल कसने के लिए एनएमएमएस सिस्टम का नया अपडेटेड वर्जन लांच किया गया है। इस अपडेटेड वर्जन में मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम से उन्हीं श्रमिकों की उपस्थिति लगेगी, जिनकी पलकें झपकेंगी। ऐसा नहीं होने पर उपस्थिति कॉलम में श्रमिक की फोटो अपलोड नहीं हो सकेगी। सबसे बड़ी बात है कि एक बार में 10 मजदूरों की ही हाजिरी लगाई जा सकेगी। यह व्यवस्था लागू होने से अब एक साथ बड़ी संख्या में मजदूरों को कागजों में नहीं दिखाया जा सकेगा। जो मजदूर वास्तव में कार्य करेंगे उन्ही की ही उपस्थिति बनेगी।

वर्तमान समय में मनरेगा मजदूरों की हाजिरी कार्यस्थल पर फोटो खींचकर लगाई जाती है। लेकिन, ऐसे में कई शिकायतें मिल रही थीं कि हाजिरी के नाम पर फर्जीवाड़ा कर घर बैठे लोगों को श्रमिक दिखाया जा रहा था। इसके अलावा कई श्रमिक मनरेगा मस्टररोल में पंजीकृत होने के बावजूद कार्य स्थल पर नहीं पहुंच रहे हैं, जबकि उनकी हाजिरी लग जाती है। कई जगह मशीन से कार्य कराते हुए फर्जी तरीके से श्रमिकों की हाजिरी लगा दी जा रही थी। इन्हीं अव्यवस्थाओं को देखते हुए अब फेस रीडिंग कर हाजिरी लगाने की नई व्यवस्था को अपनाया जाएगा।

राष्ट्रीय मोबाइल मॉनीटरिंग सिस्टम नाम से बनाए गए विशेष एप में हाजिरी लगाने की व्यवस्था की गई है। इस दौरान मनरेगा मस्टररोल के पहले पन्ने पर दर्ज मजदूरों को एक साथ इकट्ठा किया जाएगा। उसके बाद मस्टररोल में दर्ज मजदूरों की उपस्थिति के अनुसार उनके कॉलम के आगे टिक किया जाएगा और उनकी फोटो खींची जाएगी। इस दौरान सॉफ्टवेयर मजदूरों की झपकती पलकों के साथ उनके सिरों की भी गिनती करेगा। जितने मजदूरों की हाजिरी पर टिक किया गया होगा, उतने ही लोगों की उपस्थिति जरूरी होगी।

मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाने के लिए राष्ट्रीय मोबाइल मॉनीटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किए जाने का निर्देश प्राप्त हुआ है। इस सिस्टम के वर्जन को कुछ अपडेट किया गया है और अपडेट वर्जन में कुछ बदलाव हुए हैं, उन्हीं बदलावों के तहत अब काम होगा। जल्द ही जिले में यह व्यवस्था लागू होंगी।

हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए लाइन में लगा श्रद्धालु बेहोश होकर गिरा, मौत

संवाददाता—अयोध्या। महाशिवरात्रि के दूसरे दिन भी अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ है। श्रद्धालु सरयू स्नान और नागेश्वरनाथ का अभिषेक करने के बाद हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसी बीच रामनगरी में एक श्रद्धालु की मौत हो गई है।

इन में खड़ा एक श्रद्धालु गिरकर बेहोश हो गए। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें बचाने का हरसंभव प्रयास किया। उन्हें पास के श्रीराम अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़ित श्रद्धालु की आयु करीब 75 साल थी। उनकी मौत स्वाभाविक बताई जा रही है। मामला दोपहर 2.30 बजे के करीब का है। मृतक श्रद्धालु का नाम मुरलीधर है। वह यूपी झांसी के दमेले चौक के रहने वाले थे। वह अपने परिवार के साथ अयोध्या दर्शन करने आए हुए थे। पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि श्रद्धालु की मौत स्वाभाविक रूप से हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

वन विभाग के सरकारी घर में चोरी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोरखपुर। कैंट इलाके के वन विभाग के सरकारी आवास में चोरी हो गई। कर्मचारी के घर में घुसे चोर जेब से 60 हजार रुपये नकद, झुमका, मोबाइल फोन चुरा ले गए। पुलिस अज्ञात चोर पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। कर्मचारी राम ईश्वर ने केस दर्ज कराया है।

देवरिया के बरहज क्षेत्र के भरहां बाबू निवासी रामईश्वर वन विभाग के प्रभागीय कार्यालय में कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 21 फरवरी 3 बजे से 4 बजे के बीच अज्ञात चोर घर में घुसकर परिवार तीन पर्स जिसमें 40 हजार रुपये नकद, एक चयन व एक झुमका था और मेरे पर्स से 20 हजार रुपया नकद, दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। थोड़ी देर बाद घटना की जानकारी हुई। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सपा का नेटवर्क बहुत बड़ा, अखिलेश यादव खुद जारी करें भगदड़ के मृतकों की संख्या—संजय निषाद

संवाददाता—अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मत्स्य मंत्री व निषाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद अयोध्या पहुंचे। प्रयागराज के महाकुंभ को लेकर सरकार की तारीफ की तो वहीं, भगदड़ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से मृत्यु का आंकड़ा मांगने पर निशाना साधा। उन्होंने अखिलेश यादव से कहा कि मृत्यु का आंकड़ा वही दे दें, उनके बहुत नेटवर्क हैं, रही बात आंकड़े की न्यायिक जांच हो रही है तो उस पर राजनीतिक टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। महाकुंभ की तारीफ करते हुए निषाद ने कहा कि महाकुंभ में श्रद्धालु आए हम गंगा पुत्रों का सौभाग्य है। गंगा, जमुना, सरस्वती हमारी हैं। प्रयागराज निषाद राज की धरती है।

प्रयागराज के श्रिंगवेरपुर में निषाद राज की मूर्ति लगी है उसका उद्घाटन हुआ। निषाद राज की जमीन पर्यटक स्थल घोषित हो गई। अयोध्यावासियों को भी धन्यवाद दूंगा। यहां पर भगवान राम का मंदिर बन गया। निषाद राज की मूर्ति स्थापित करने के साथ निषाद राज के नाम से अतिथि भवन बन रहा है। निषाद राज के बच्चों का सम्मान तो बढ़ गया लेकिन अब उनके बच्चों की सुरक्षा का मामला है।

अगर निषाद राज के घर मोदी जी गरीबी देखने जा सकते हैं तो वह सदन में भी लिखवा सकते हैं कि उन्हें भी आरक्षण मिले। निषाद के नारे की देन है कि आज मोदी जी ने सम्मान दिया है। मोदी जी ने भी आवाज उठाई है कि निषादों की दशा बहुत खराब है, इसको सही करना है। उन्होंने कहा है कि गारंटी देकर उनके व्यापार करने की व्यवस्था की जा रही है। महाकुंभ में भगदड़ को लेकर कहा कि इसकी न्यायिक जांच हो रही है और जब न्यायिक जांच हो रही हो तो दूसरे लोगों के बयान बेमानी हो जाते हैं। न्यायिक जांच एक संवैधानिक प्रक्रिया है। जब जांच चल रही है तो आंकड़े भी आ जाएंगे। चुटकी लेते हुए संजय निषाद ने कहा कि अगर अखिलेश यादव के पास कोई आंकड़ा है तो दे दें, समाजवादी पार्टी का अपना नेटवर्क है। हर गांव में उनके बूथ अध्यक्ष हैं। कई प्रदेशों के हर गांव में उनके कार्यकर्ता हैं तो वही बता दें उनके बूथ पर कितने आदमी मर गए। उनके मृत्यु प्रमाण पत्र बन गए तो कम से कम अखिलेश यादव ही मृत्यु का रिकॉर्ड दे दें। निषाद समुदाय के लोगों से मिलने संजय निषाद अयोध्या पहुंचे थे।

जलसा में बच्चों की शिक्षा पर दिया गया जोर

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र के जबजौवा में एक दिवसीय जलसा का आयोजन बुधवार रात को किया गया। इसमें बच्चों को बेहतर शिक्षा देने पर जोर दिया गया। मौलाना इस्लाम फैजी ने कहा कि इस्लाम में जो बातें जिंदगी जीने के लिए बताई गई हैं उसी के हिसाब से समाज में जीवन यापन करें। वर्तमान समय को देखते हुए सभी अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा के लिए सजग रहें। मुफ्ती जुबेर मिस्बाही ने कहा कि उर्दू शिक्षा के साथ हिंदी और अंग्रेजी की भी हासिल करने वाले बच्चों को अच्छा मुकाम हासिल हो सकता है। इस पर अभिभावकों को ध्यान देने की जरूरत है।

इस दौरान मुफ्ती इस्लाम नूरी,जमील अहमद, बदरूद्दीन मिस्बाही, ओवैस रजा, हाफिज रियाजुल्लाह, इमामुद्दीन, मोबीन कुरैशी, आमिर, अफजल, रौनक आदि मौजूद रहे।

नशे में धुत ट्रक चालक ने गुमटी में ठोका, बाल बाल बची जान

संवाददाता—गोरखपुर। कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के करमैनीघाट में गुरुवार की दोपहर में ट्रक की ठोकर से पान की गुमटी क्षतिग्रस्त हो गई। गुमटी में बैठे दो व्यक्तियों को आसपास के लोगों ने निकालकर अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि चालक नशे में धुत था।

मौके पर मौजूद ट्रक चालक के साथी चंद्रकेश ने बताया कि ट्रक संख्या यूपी 56 बीटी 0663 के चालक के साथ रिगौली देसी शराब के ठेके पर दोनों ने शराब पी। वहां से ट्रक लेकर रिगौली बंधे के रास्ते आ रहे थे। नशे में धुत चालक को अंदाज नहीं मिला और ट्रक पान की गुमटी में ठोक दी। गुमटी में मौजूद दुकानदार समेत दो लोग घायल हो गए। इस सम्बन्ध में करमैनी चौकी इंचार्ज आशीष त्रिपाठी ने बताया कि ट्रक चालक के दो साथी पकड़े गए हैं। ट्रक चालक फरार हो गया। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

नहीं निकला मुआवजे का हल तो किसान जमीन पर करेंगे कब्जा —राकेश टिकैत

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग टांडा वाराणसी वाया आजमगढ़ के चौड़ीकरण के दौरान अधिग्रहीत की गई जमीनों के लिए किसान आवासी दर से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर भारतीय किसान यूनियन की अगुआई में टांडा में पिछले करीब दो साल से धरना प्रदर्शन चल रहा है। बृहस्पतिवार को भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने महापंचायत कर आंदोलन को हवा दे दी। अधिकारियों ने बातचीत कर अपना पक्ष रखा, जिस पर 15 सदस्यीय टीम बनाकर डीएम से वार्ता करने पर सहमति बनी। राकेश टिकैत ने कहा कि 10 मार्च तक निस्तारण न होने पर किसानों से अपनी जमीन पर कब्जा करेंगे और हाईवे पर मवेशी बांधेंगे।

अधिवक्ता के निधन पर शोक

संवाददाता—गोरखपुर। जिला अधिवक्ता एसोसिएशन के सभागार में गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रजराज व राज किशोर पांडेय एडवोकेट के आकस्मिक निधन पर शोक सभा एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण दामोदर पाठक की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन मंत्री लालमन ने किया। शोक सभा में अधिवक्ताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। शोक सभा में अधिवक्ताओं ने स्वर्गीय ब्रजराज व स्वर्गीय राज किशोर पांडेय को मृदुभाषी मिलनसार एवं कुशल अधिवक्ता बताते हुए उनके निधन को अधिवक्ता समुदाय के लिए अपूर्णीय क्षति बताया।

दो बच्चियों से दुष्कर्म में दो आरोपितों को 20 साल की सजा

संवाददाता—गोरखपुर। नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट राहुल आनंद ने कैंपियरगंज क्षेत्र के खैराट निवासी अभियुक्त गोविंद व कमलेश को 20 साल के कठोर कारावास एवं प्रत्येक को 22 हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्तों को आठ माह का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राघवेंद्र त्रिपाठी एवं अरविंद श्रीवास्तव का कहना था कि घटना 26 अक्तूबर 2023 की शाम करीब सात बजे की है।

वादिनी की दोनों नाबालिग नातिन शौच के लिए घर से कुछ दूर गांव के पश्चिम की तरफ गई थी। उसी समय अभियुक्तों ने वादिनी की दोनों नाबालिग नातिनों को चाकू दिखाकर जान मारने की धमकी देते हुए जबरन कुछ दूर सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

अयोध्या में सिपाही ने ठेले वाले को निर्ममता से पीटा, हंगामा

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में व्यापारियों के उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस की बर्बरता का चेहरा एक बार फिर दिखा। राम जन्मभूमि के निकास द्वार गेट नंबर—11 के सामने सिपाही ने ठेले वाले की निर्ममता से पिटाई की। युवक के हाथ में गंभीर चोट आई है। उसका रो—रोकर बुरा हाल है। मौके पर मौजूद दरोगा ने सिपाही को घटनास्थल से भगा दिया। युवक की हनुमानगढ़ी पर दुकान है। भीड़ की वजह से 45 दिन से दुकान बंद है। घर का खर्च न चलने की स्थिति में आज ठेला लगाने आया था। पीड़ित ने कहा कि पुलिसवाले 500 रुपये मांग रहे थे। पैसा ना देने पर बर्बरता से पीटा। आरोपी सिपाही का नाम सौरभ चहल बताया जा रहा है। मामला राम जन्मभूमि थाना के कजियाना का है।

जीआइएस सर्वे को लेकर दो दिवसीय शिविर आज से

संवाददाता—गोरखपुर। नगर निगम बोर्ड में जीआईएस सर्वे को लेकर पार्षदों की नाराजगी के बाद नगर निगम ने लोगों की आपत्तियों के निस्तारण के लिए शुक्रवार से दो दिवसीय वृहद शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। शिविर में जीआइएस नोटिस वितरण के साथ ही आपत्तिकर्ताओं की आपत्तियों पर सुनवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के मुताबिक वित्तीय वर्ष की समाप्ति में कुछ दिन ही शेष हैं। अभी भी जीआईएस नोटिस वितरण व निस्तारण की स्थिति संतोषजनक नही है। इसलिए नगर निगम मुख्यालय समेत सभी जोनल कार्यालय में 28 फरवरी व 01 मार्च को वृहद शिविर लगाया जा रहा है। जोन 01 व 03 के लिए नगर निगम मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में, जोन 02 के लिए लालडिग्गी स्थित जोनल कार्यालय, जोन 04 के लिए नेताजी सुभाष चन्द्र बोस नगर स्थित जोनल कार्यालय एवं जोन 05 के लिए शाहपुर थाना स्थित डॉक्टर्स इन्क्लेव जोनल कार्यालय में शिविर लगेगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
मु0नं0— 262/2010

रामभेज
बनाम
सुदामा

1/1 सुभाष उम्र लगभग 30 साल
1/2 परमेश्वर उम्र लगभग 28 साल
1/3 महेश्वर उम्र लगभग 27 साल
1/4 उमेश उम्र लगभग 25 साल
पुत्रगण रामकेश समस्त साकिनान डडवा तप्पा कपरी महसों परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 28—02—2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 153/2022
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला—बस्ती

रामधनी
बनाम
ज्ञानमती

1. श्रीमती ज्ञानमती पत्नी बहरैची 2. राजबहादुर 3. बलराम 4. रामभवन पुत्रगण राम अक्षैवर 5. रामदुलारे पुत्र राममिलन समस्त निवासीगण ग्राम वेहराबलइवीर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 19—03—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको 19 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com